

8833 Ἀπιδιον [Τ]οῦσον<sup>1</sup> | πραιτορα | καὶ πρεσβευτῆν<sup>2</sup> | γενέ-  
ρωσον καὶ | εἰγενέστατον, | Στεφάνιος Μάξιμος | Εὐτύχης ἱππικὸς |  
Ῥωμαίων. | Θύτης τῶν ἐξήκοντα<sup>3</sup>, | σκρέιβας λιβράριος | κοιαισιτώ-  
ριος<sup>4</sup>, | τὸν ἴδιον πάτρωνα.

*Ephesi rep., est Londinii (Greek inscr. in the Brit. Museum n. 540; temporibus Antoninorum exaratum titulum putat editor). — 1) Idem fortasse, vel unus ex posteris, in t. urbano VI 52026 — Eph. ep. 4, 827. Cf. Prosopogr. imp. Rom. II p. 420 n. 184. — 2) Intellege: legatum pro praetore (proconsulis). — 3) Haruspex de sexaginta. Cf. supra N. 4932 seq. — 4) Cf. supra N. 1894. 1896 cet. (Graece etiam infra N. 8839).*

8834<sup>a</sup> Μ. Ῥώσκιον Κυρεῖνα Λοῦπον Μουρήνα, Μ. Μουρήνα  
στρατηγικοῦ υἱόν, Μ. Μουρήνα | ἀνθυπάτου Βειθυνίας ἔχοντον,  
σεπίμβερα ἐπουλῶν<sup>1</sup>, χειλίαρχον λεγεῶνος | ἐβδόμης Κλαυδίας,  
προσιάτην<sup>1</sup> λεγεῶνος τετάρτης Φλαβίας, ταμίαν καὶ | ἀντιστρά-  
τηγον ἐπαρχείας Κρήτης | καὶ Κυρήνης, Βολουμνία Κάληδα | τὸν  
ἄνδρα τῆς ἐγγόνου.

8834<sup>b</sup> . . . . . [ἐπι τοῦ] | σει[τ]ομετρίου<sup>2</sup> τοῦ Ῥωμαίων ταχ-  
θέν[τα]. | τειμηθέντα ἱερωσύνη τῶν ἐ' ἀνδρῶ[ν], | λογιστῆν<sup>3</sup> . . . ρια-  
νῶν τῶν ἐν Ἰταλία<sup>4</sup>, | [πρεσβευτῆν]<sup>5</sup> Ἀφρικῆς, ἀνθύπατο[ν] | . . . ,  
[πεντάραβδον<sup>6</sup> Ῥαιτίας, | [Βολουμν]ία Κάληδα τὸν γλυκύτατ[ον καὶ εὖ]-  
σεβέστατον υἱόν.

*Gortynae Cretae (Halbherr museo ital. di antichità classica 5, 1890 p. 702. 705). — 1) Cf. supra N. 8819. Magie de Romanor. vocabulis sollemn. in Graec. convers. (1905) p. 146. — 2) Cf. N. 8835 not. 2. Magie l. l. p. 101. — 3) Supplementum quippe cui spatium vix sufficere videatur, non omnino certum. — 4) Cf. supra N. 5013. — 5) Aut sic (vel πρεσβευτῆν καὶ ἀντιστράτηγον) aut ταμίαν (καὶ ἀντιστράτηγον) supplendum. — 6) Quinquagesimalis. Cf. supra N. 8826.*

8835 [Τι]β. Κλ. Φλαουιανόν | Τιτιανόν Κόιντον Οὐίλιον | Πρὸ-  
κλον Λοίκιον Μάρκιον | Κέλερα Μάρκον Καλπούρνειον Λόνγον δέκα  
ἀνδρῶν πρῶ[τε]ρ<sup>1</sup>, χειλίαρχον πλατύσημον | λεγεῶνος πέμπτης Μακε-  
δονικῆς, ταμί[α]ν Κύπρου, δήμαρχον | [κ]α[ι] σι[ρα]τηγὸν δήμου Ῥω-  
μαίων, πρεσβευτῆν Πόντου καὶ Βειθυνίας, ἐπαρχ[χο]ν σειτομετρίου  
δήμου Ῥωμαίων<sup>2</sup>, | [ἀ]νθύπατον Κύπρου, ἐπιμελητῆ[ν] | [δ]οῦ Κλωδίας  
Κασσίας Ἀννί[α]ς Κι[μ]ιν[ι]ας ἔτι δὲ καὶ Φλαμινίας, | Οὐίλια [Π]ρόκλα  
τὸν [τε]τατον πατέρα.

*Pataris Lyciae (Kalinka Eranos Vindob. p. 91). Cagnat inscr. Gr.-Rom. III n. 667. — 1) Intellegitur decemviratus stilitibus iudicandis; sed mire erravit scriptor Graecus. Cf. N. 8817 not. 2. — 2) Praefectus frumenti dandi, cf. N. 8834<sup>b</sup> (ἐπαρχος σειτον δόσεως δόγματι συγκλήτου Ῥωμαίων in t. Neapolitano IG. XIV 719, cf. Momms. Staatsr. II<sup>3</sup> p. 673 n. 4).*

8836 . . . | Φιλίππου τοῦ κρατίστου | ὑπατικοῦ, ἀδελφιδῆν |  
Φλαβίου Ἀντωνείνου | ὑπατικοῦ, ἀνθυπάτου | Ἀφρικῆς, καὶ Φλα-